• बाल कविताएं...

झिलमिल तारे

कर रहे प्रतीक्षा किसकी हैं
झिलमिल-झिलमिल तारे?
धीमे प्रकाश में कैसे तुम
चमक रहे मन मारे।
अपलक आंखों से कह दो
किस ओर निहारा करते?
किस प्रेयसि पर तुम अपनी
मुक्तावलि वारा करते?
करते हो अमिट प्रतीक्षा,
तुम कभी न विचलित होते।
नीरव रजनी अंचल में
तुम कभी न छिप कर सोते।
जब निशा प्रिया से मिलने,
दिनकर निवेश में जाते।
नभ के सूने आंगन में
तुम धीरे-धीरे आते।
विधुरा से कह दो मन की,
लज्जा की जाली खोलो।
क्या तुम भी विरह विकल हो,
हे तारे कुछ तो बोलो।
मैं भी वियोगिनी मुझसे
फिर कैसी लज्जा प्यारे?
कह दो अपनी बीती को
हे झिलमिल-झिलमिल तारे!

■ सुभद्रा कुमारी चौहान

• चुटकुला...

चिंटू- मुझे अपनी बीवी से तलाक चाहिए, वह बर्तन फेंककर मारती है।
मिंटू- अभी मार रही है या पहले से।
चिंटू- 5 साल पहले से।
मिंटू- तो इतने साल बाद तलाक क्यों?
चिंटू- क्योंकि अब उसका निशाना पक्का हो गया है...

दो पागलों ने पागलखाने से भागने का प्लान बनाया।
पहला- कल जैसे ही गेट खुलेगा हम चौकीदार को पकड़कर मार देंगे और भाग जाएंगे,
दूसरा- हां आइडिया अच्छा है, अगले दिन सुबह दोनों जैसे ही भाग कर गेट के पास गए,
देखा- गेट खुला था चौकीदार गायब था पहला- अरे यार ये चौकीदार कहां गया, साला अगर वो होता तो हम प्लान के मुताबिक आज भाग सकते थे,
दूसरा- कोई नहीं यार चलो कल try करते हैं

• जानकारी...

आकाशगंगा

अगर आप दिल्ली जैसे शहर में रहते हैं तो रात में शायद ही आप तारे देख पाएं। लेकिन अगर आप किसी पहाड़ी इलाके में रहते हैं तो रात में आप ना सिर्फ तारे देख पाएंगे, बल्कि कभी-कभी आपको आकाशगंगा के भी दर्शन हो जाते हैं। इसके अलावा आप आकाशगंगा को नासा या इसरो द्वारा ली गई तस्वीरों में भी देख सकते हैं। इन तस्वीरों में आप देखेंगे तो आपको दिखेगा कि तारें एक साथ नजर आते हैं। जैसे, तारे एक दूसरे से बेहद नजदीक हैं।

हालांकि, असलियत में ये एक दूसरे से लाखों करोड़ों किलोमीटर दूर होते हैं। चलिए जानते हैं कि आखिर आकाशगंगा, जिसे हम गैलेक्सी भी कहते हैं, एक विशाल संरचना है जिसमें अरबों तारे, ग्रह, गैस, धूल, और अंधेरा पदार्थ शामिल हैं। जब हम रात के आसमान में देखते हैं, तो हमें कई तारे एक साथ चमकते हुए दिखाई देते हैं। लेकिन इसके पीछे का विज्ञान क्या है? आइए इसे विस्तार से समझते हैं।

आकाशगंगा एक गोलाकार या चक्राकार संरचना होती है, जिसमें हजारों लाखों तारे एक साथ होते हैं। हम जिस आकाशगंगा का हिस्सा हैं उसे मिल्की वे के नाम से जाना जाता है, जो एक स्पाइरल गैलेक्सी है, जिसमें तारे एक डिस्क में व्यवस्थित हैं।

आकाशगंगा में तारों का एक साथ दिखना कई कारकों पर निर्भर करता है। जैसे- जब हम तारे देखते हैं, तो हम केवल उन तारों की रोशनी को देख रहे होते हैं, जो हमारे पास बहुत देर बाद पहुंचते हैं। आसान भाषा में कहें तो तारे वास्तव में एक-दूसरे से बहुत दूर होते हैं, लेकिन उनका प्रकाश जब हमारी आंखों तक पहुंचता है तो वह हमें एक साथ दिखाई देते हैं।

ये बात सिर्फ तारों के लिए लागू नहीं होती, अगर कोई चीज अधिक मात्रा में है और एक दूसरे कुछ दूरी पर स्थित है, तो वह काफी दूर से देखने पर हमें एक दम चिपके-चिपके दिखाई देते हैं। जैसे काफी ऊपर से ड्रोन से लिए गए वीडियो में जब आप अपना मोहल्ला देखते हैं तो घर एक दम सटे-सटे दिखाई देते हैं, लेकिन असलियत में उनके बीच दूरी होती है।

दरअसल, आकाशगंगा में तारे एक-दूसरे के करीब लगते हैं, क्योंकि हमारी आंखों की तय सीमाएं होती हैं। यानी हमारी आंखों के देखने की क्षमता एक निश्चित दूरी तक सीमित होती है और हम केवल उस रोशनी को देख सकते हैं जो पृथ्वी तक पहुंचती है। ऐसे में जब कई तारे एक साथ चमकते हैं, तो सबकी एकत्रित रोशनी एक साथ पृथ्वी तक पहुंचती है, जिससे हमें लगता है कि वे एक साथ हैं।

• गोनू झा

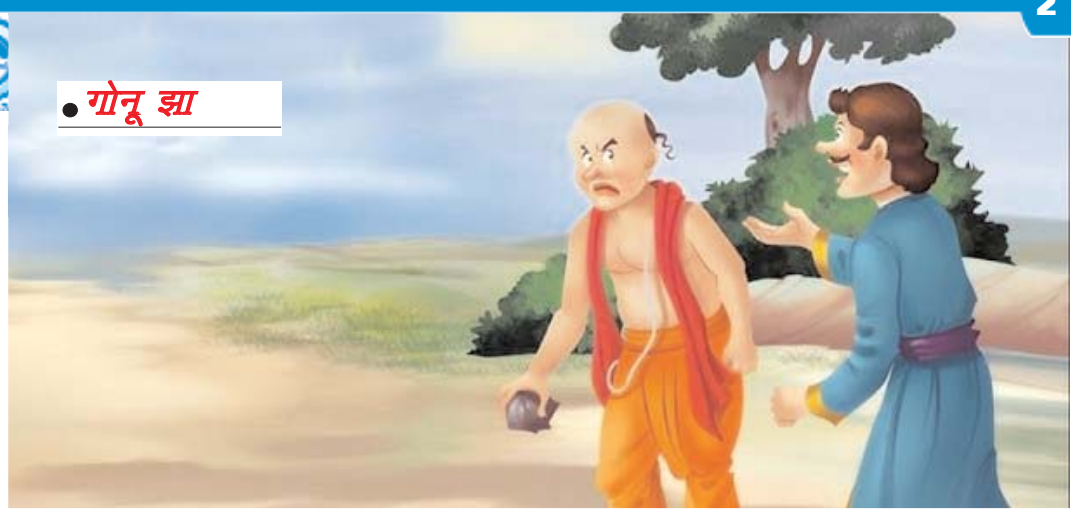

पेड़ पर जेवर

दूसरी तरफ चोरों के सरदार को लग रहा था कि गोनू झा उसके झाँसे में आ चुके हैं। अब जब वह उनके घर जा ही रहा है तो इससे यह फायदा अवश्य मिल जाएगा कि घर में कहाँ क्या सामान रखा हुआ है, उसका अन्दाज तो निश्चय ही आसानी से लग जाएगा।

गोनू झा अपने बैठक में चोरों के सरदार के साथ पहुंचे और उसे आसन पर बैठाया तथा पंडिताइन को आवाज देकर लस्सी बनाने को कहा...

गतांक से आगे...

चोरों का सरदार बहुत खुश हुआ। उसे लगा कि मनमाँगी मुराद मिल गई है। उसने गोनू झा से कहा -'जैसी आपकी आज्ञा पंडित जी! मेरे जैसा आदमी आपकी बात टालने की हिम्मत भी नहीं कर सकता।'

बात यह थी कि अँधेरा फैल चुका था-गोनू झा उस व्यक्ति को अपने घर ले जाना चाहते थे कि वहाँ लालटेन की रोशनी में उसे अच्छी तरह देख सकें। उनको लग रहा था कि यह व्यक्ति उनके साथ जितने सीधे-सच्चे व्यक्ति की तरह व्यवहार कर रहा है वैसा वस्तुत: वह है नहीं। दाल में जरूर कुछ काला है।

दूसरी तरफ चोरों के सरदार को लग रहा था कि गोनू झा उसके झाँसे में आ चुके हैं। अब जब वह उनके घर जा ही रहा है तो इससे यह फायदा अवश्य मिल जाएगा कि घर में कहाँ क्या सामान रखा हुआ है, उसका अन्दाज तो निश्चय ही आसानी से लग जाएगा।

गोनू झा अपने बैठक में चोरों के सरदार के साथ पहुंचे और उसे आसन पर बैठाया तथा पंडिताइन को आवाज देकर लस्सी बनाने को कहा। लस्सी आ गई तब गोनू झा ने लस्सी का लोटा थमाते हुए कहा, 'लो भाई, लस्सी पियो और अब बताओ कि मुझसे क्या चाहते हो?'

ऐसा कहते हुए गोनू झा ने लालटेन की बत्ती तेज की और चोरों के सरदार की ओर देखने लगे। गोनू झा को ऐसा लगा कि इस व्यक्ति को उन्होंने कहीं देखा है। मगर उन्हें याद नहीं आ रहा था कि कहाँ और कब।

चोरों के सरदार ने पुन: अपनी वही बात दुहराई और घर में इधर-उधर देखते हुए लस्सी पीने लगा।

अचानक गोनू झा को याद आया अरे! यह तो वही आदमी है जिसको उन्होंने अपने घर में पलंग के नीचे चोरी की मंशा से छुपे रहने पर, एक रात पड़ोसियों को बहुत चालाकी से पुकारकर पकड़वाया था। बस, फिर क्या था! उन्होंने क्षण भर में समझ लिया कि यह चोर उनसे बदला लेने के इरादे से ही आया है। उन्होंने इस बात को प्रकट नहीं होने दिया और कहा-'अच्छा हुआ भाई-तुम यहाँ आ गए! मुझे लगता है कि भगवान ने ही तुम्हें मेरी मदद के लिए भेजा है। तुम्हारी मदद तो बाद में होगी, मेरी तो समझो कि हो गई।'

चोरों का सरदार गोनू झा की बात सुनकर चकरा गया-'अरे! यह क्या कह रहे हैं पंडित जी आप? मैंने क्या मदद कर दी आपकी?'

गोनू झा मुस्कुराते हुए बोले - 'अरे भाई! इतनी- सी बात भी नहीं समझे? सचमुच तुम बड़े भोले हो! अरे, जब चोरों का उत्पात पड़ोस के गाँव में हो रहा है तो क्या चोर जिन्दगी भर उसी गाँव में चोरी करेंगे? एक-दो दिन में किसी दूसरे गाँव में जाएँगे कि नहीं? पड़ोस के गाँव से निकलकर वे इस गाँव में भी तो आ सकते हैं! बोलो-है कि नहीं?'

चोरों के सरदार ने हामी भर दी। वह मन ही मन इस बात पर प्रसन्न हो रहा था कि गोनू झा उसे भोला समझ रहे हैं।

गोनू झा ने कहा-'चोरों से बचाव का सबसे सीधा और सरल तरीका है कि घर की कीमती चीजों को एक जगह एकत्रित करके उसकी थैली बना लो और उसे ऐसी जगह रखो जिसके बारे में कोई सोच भी नहीं सके कि ऐसी जगह पर कोई कीमती वस्तु, नकदी और जेवरात आदि भी रख सकता है। मैं तो आज ही अपने घर की तमाम चीजें एकत्रित कर ऐसे ही किसी सुरक्षित स्थान पर रख आऊँगा। न रहेगा बाँस, न बजेगी बाँसुरी!...

'थोड़ी देर की चुपी के बाद उन्होंने कहा -'तुम्हारे घर के आस-पास कोई पेड़ तो होगा? अपने घर की कीमती वस्तुएँ एक थैली में रखकर पेड़ की किसी डाल में अच्छी तरह बाँध दो और पेड़ की कुछ पतली टहनियाँ खींच-मचोड़कर उस पर इस तरह झुका दो कि किसी की नजर भी वहाँ पड़े तो थैली उसे दिखाई न पड़े।'

चोरों का सरदार बहुत खुश हुआ।

गोनू झा ने कहा-'चलो भइया! अब तुम भी अपने गाँव का रास्ता लो। रात गहरा रही है। अँधेरे में रास्ता सूझता नहीं है। जितनी जल्दी हो अपने घर पहुँचो। ऐसा न हो कि तुम यहाँ चोरी से बचने की तरकीब सीखते रहो और उधर चोर तुम्हारे घर पर हाथ की सफाई दिखा दें।'

चोरों का सरदार आसन से उठा और गोनू झा को नमस्कार कर वहाँ से चल दिया। गोनू झा की आँखें उसकी पीठ से चिपकी रहीं। वे समझ रहे थे कि चोर कहीं जाएगा नहीं। और हुआ भी ऐसा ही। गोनू झा के मकान से सटे जो गली थी, चोर उसमें मुड़ गया। यह गली गोनू झा के मकान के पिछवाड़े तक जाती थी। गोनू झा के मकान के पिछवाड़े में आम लीची का बगान था। इस बगान में अमरूद, करौंदा, नीबू आदि के पेड़ थे। गली मकान से इतनी सटी हुई थी कि घर में होनेवाली बातें कोई भी गली से गुजरने वाला व्यक्ति सुन सकता था।

-जारी

• रोचक...

हाथी

हाथी विशालकाय जानवर है, लेकिन अक्सर कई लोगों के मन में ये सवाल जन्म लेता है कि आखिर इस विशालकाय जानवर की उम्र कितनी होती होगी, चलिए आज हम इस रिपोर्ट में जान लेते हैं। आमतौर पर, हाथी 50 से 70 साल तक जीवित रह सकते हैं। हालांकि, कुछ मामलों में हाथी 80 साल या उससे ज्यादा भी जीते हुए पाए गए हैं। हाथी की उम्र कई कारकों पर निर्भर करती है, जैसे कि प्रजाति, आवास, स्वास्थ्य और देखभाल। हाथी बेहद सामाजिक जानवर होते हैं। वो परिवारों में रहते हैं और एक-दूसरे की देखभाल करते हैं। यह सामाजिक संरचना उनके जीवनकाल को बढ़ाने में मदद करती है। हाथी धीरे-धीरे बढ़ते हैं। उनकी परिपक्वता में कई साल लग जाते हैं। यह धीमी वृद्धि उनके जीवनकाल को लंबा बनाने में मदद करती है। साथ ही हाथी अपने पर्यावरण के अनुकूल होने में माहिर होते हैं। वो खराब मौसम और भोजन की कमी जैसी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होते हैं।

• मोबाइल फोन...

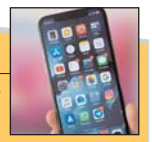

दुनिया भर में मोबाइल फोन का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। भारत के अलावा, चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका और इंडोनेशिया जैसे देश भी दुनिया में मोबाइल फोन उपयोगकर्ताओं की संख्या के मामले में टॉप पर हैं। टॉप देशों में सबसे पहले चीन का नाम आता है, जहां सबसे ज्यादा मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया जाता है। इसके बाद दूसरे स्थान पर भारत और तीसरे पर अमेरिका, चौथे पर इंडोनेशिया फिर पांचवे नंबर पर रूस का नाम आता है।